स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

जैव विविधता को बचाने की लागत

हाल ही में प्रकाशित एक शोध पत्र में बताया गया है कि दुनिया में जोखिमग्रस्त प्रजातियों को बचाने की लागत दरअसल प्रकृति से मिलने वाले लाभों से कहीं कम है।

साइन्स पत्रिका में प्रकाशित इस शोध पत्र में अनुमान लगाया गया है कि दुनिया की सारी जोखिमग्रस्त प्रजातियों को बचाने के लिए प्रति वर्ष लगभग 4 अरब डॉलर खर्च करना होंगे। इसके अलावा उन इलाकों को सुरक्षित करना होगा जहां ये प्रजातियां वास करती हैं। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इस काम में प्रति वर्ष 76 अरब डॉलर के निवेश की ज़रूरत होगी।

यह अध्ययन यू.के. स्थित बर्डलाइफ इंटरनेशनल नामक संस्था में कार्यरत संरक्षण वैज्ञानिक स्टुअर्ट वुचार्ट ने अपने साथियों के साथ मिलकर व्यक्त किया है। दरअसल यह दल समझने का प्रयास कर रहा था कि राष्ट्रों ने जिस जैव विविधता संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, उसके लक्ष्यों की प्राप्ति की लागत क्या होगी। जैसे एक लक्ष्य यह है कि जोखिमग्रस्त प्रजातियों को उनकी स्थिति से एक स्तर ऊपर लाना। इसके आंकड़े की गणना के लिए उन्होंने संरक्षण विशेषज्ञों से पूछा कि 211 जोखिमग्रस्त पक्षी प्रजातियों के संरक्षण का खर्च क्या होगा। विशेषज्ञों के जवाबों के आधार पर गणना की गई तो पता चला कि दुनिया की कुल 1115 जोखिमग्रस्त पक्षी प्रजातियों के संरक्षण हेतु 87.5 करोड़ से 1.23 अरब डॉलर प्रति वर्ष तक खर्च होंगे। यदि इसी राशि के आधार पर समस्त जोखिमग्रस्त प्रजातियों के लिए गणना की जाए तो आंकड़ा 3.41 अरब से 4.76 अरब डॉलर प्रति वर्ष आता है।

जैव विविधता संधि का एक और लक्ष्य पृथ्वी का 17 प्रतिशत भूमि सतह का संरक्षण है। इसकी गणना करना मुश्किल है मगर बुचार्ट व उनके दल का अनुमान है कि इस पर प्रति वर्ष 76.1 अरब डॉलर खर्च करने होंगे।

ये राशियां बहुत बड़ी-बड़ी नज़र आती हैं मगर राष्ट्रों के बजट के संदर्भ में देखें तो ये कुछ नहीं हैं। इसके अलावा बुचार्ट का कहना है कि ये राशियां उन सेवाओं की कीमत के सामने तुच्छ हैं जो प्रकृति हमें प्रदान करती है। जैसे हमारे फसलों का परागण या हमारे द्वारा उत्पन्न कार्बन डाईऑक्साइड का अवशोषण। इस तरह की इकोसिस्टम सेवाओं की कीमत 20 से 60 खरब डॉलर के बीच आंकी गई है। तो दरअसल प्रकृति

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी